>

Title: Need to expedite completion of Gosikhurd Irrigation Project in Bhandara district of Maharashtra.

श्री मारोतराव सैनुजी कोवासे (गडचिरोली-चिमूर): महाराष्ट्र राज्य के चन्द्रपुर, नागपुर, भण्डारा इत्यादि क्षेत्रों की भूमि को सिंचित किए जाने के उद्देश्य से विदर्भ क्षेत्र के अंतर्गत भण्डारा जिले में गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना वर्ष 1981 में प्रारंभ की गई थी। इस परियोजना का निर्माण कार्य बहुत ही धीमी गति से होने के कारण अब तक पूर्ण नहीं हो सका है, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र का विकास अवरूद्ध होना स्वाभाविक है। जिस समय यह परियोजना प्रारंभ की गई थी, उस समय इसकी अनुमानित लागत 372.22 करोड़ रूपये थी, जो आज 15.21 गुना बढ़कर 5659.10 करोड़ रूपये हो गई है। परियोजना का निर्माण कार्य समय पर पूरा न होने का एक प्रमुख कारण इस परियोजना के लिए आवंटित धनराशि को दूसरे कार्यों में व्यय करना है।

मेरा संसदीय क्षेत्र गड़चिरोली चिमुर एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र के चन्द्रपुर जिले के तीन विधान सभा क्षेत्र जो अति पिछड़े हुए हैं और खेती पर ही आश्रित हैं, को भी गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना से जल प्राप्त होना था। लेकिन परियोजना का कार्य समय पर पूरा न होने के कारण किसान अपनी भूमि को पानी के अभाव में सिंचित नहीं कर पा रहे हैं।

अतः ऐसी परिस्थिति में मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह केन्द्रीय स्तर पर इस प्रकरण की जांच करवाए कि घोसीखुर्द सिंचाई परियोजना को अब तक कितनी धनराशि आवंटित की गई है ति इस धनराशि को किन-किन मदों में व्यय किया गया है और इस परियोजना में किन कारणों से विलंब हो रहा है ?

मेरा यह भी अनुरोध है कि केन्द्र सरकार इस परियोजना को शीघ्र पूरा किए जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए, जिससे नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों को भूमि सिंचन हेतु पानी उपलब्ध होकर नक्सलवाद से प्रभावित व्यक्ति इस परियोजना से लाभान्वित होकर राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ सके।